सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 59 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 2 अप्रैल, 2022

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

सत्य एक विशाल वृक्ष है, उसकी ज्यों- ज्यों सेवा की जाती है, त्यों-त्यों उसमें अनेक फल आते हुए नजर आते है। उनका अंत ही नहीं होता।

-महात्मा गांधी

72 घंटे में होगा गेहूं का... 2 | पूर्वांचल में दलित-मुस्लिम गठजोड़... 3 | भाजपा राज में जनता को रौंद... 7

नवरात्रि के पहले दिन फिर महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, अखिलेश बोले

ये है भाजपाई महंगाई का गणित

» तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 80-80 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नवरात्रि के पहले दिन ही जनता को महंगाई का एक और झटका लगा। तेल कंपनियों ने आज फिर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 80-80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया है। इसके साथ 12 दिनों में तेल की कीमतों में सात रुपये से अधिक का इजाफा हो गया है। वहीं तेल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि को लेकर सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोला। मूल्य वृद्धि का आंकड़ा बताते हुए उन्होंने कहा कि सात महीने बाद पेट्रोल 275 रुपये लीटर हो जाएगा और ये भाजपाई महंगाई का गणित है।

देश में पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तेल कंपनियों ने एक दिन की राहत के बाद आज फिर पेट्रोल और डीजल के दामों में 80-80 पैसे प्रति लीटर का इजाफा किया है। ताजा अपडेट के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.61 हो गई है जबकि डीजल का भाव 93.87 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। पेट्रोल और डीजल के दामों में 12 दिनों में 10वीं बार इजाफा किया गया है। 22 मार्च से पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने शुरू हुए हैं। तब से अब तक 24 मार्च और एक अप्रैल को छोड़कर हर रोज कीमतों में उछाल आ रहा है। आज की बढ़ोतरी को मिलाकर 12 दिनों में पेट्रोल 7 रुपये 20 पैसे महंगा हो गया है। गौरतलब है कि तेल कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत के आधार पर पेट्रोल और डीजल की कीमतें प्रतिदिन अपडेट करती हैं। इसके पहले घरेलू रसोई गैस और कमर्शियल सिलेंडर के दामों में भी भारी इजाफा किया गया था। वहीं बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस और सपा समेत विभिन्न दल सरकार पर लगातार हमला कर रहे हैं। पिछले दिनों कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन भी किया था। सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने एक बार फिर महंगाई को लेकर सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट किया, जनता कह रही है कि 80 पैसे प्रतिदिन या लगभग 24 रुपये महीने के हिसाब से पेट्रोल के दाम यूं ही बढ़ते रहे तो अगले जो चुनाव नवंबर-दिसंबर में होंगे, इस बीच सात महीने में दाम लगभग 175 रुपये बढ़ जाएंगे मतलब आज के 100 रुपये लीटर से बढ़कर पेट्रोल 275 रुपये लीटर हो जाएगा। उन्होंने आगे लिखा, ये है भाजपाई महंगाई का गणित।

आज फिर बढ़े तेल के दाम, 12 दिन में सात रुपये से अधिक की वृद्धि

आप सांसद संजय सिंह ने पीएम पर कसा तंज

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर आप सांसद संजय सिंह ने पीएम मोदी पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट किया, मितरों ये महंगाई मोदी जी अपने लिए थोड़ी न कर रहे हैं। उनका तो न घर है न परिवार। वो तो एक फकीर हैं। ये महंगाई तो राष्ट्र के लिये जरूरी है।

इन राज्यों में सौ के पार पेट्रोल

मध्यप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, यूपी और लद्दाख में पेट्रोल का भाव 100 के पार हो गया है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 117.57 रुपये व डीजल की कीमत 101.79 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का दाम 112.19 रुपये जबकि डीजल का दाम 97.02 रुपये प्रति लीटर है।

यूपी टीईटी के पेपर लीक का मास्टरमाइंड अरविंद राणा गिरफ्तार

» एसटीएफ को सौंपी गई थी मामले की जांच, कई राज्यों से जुड़े हैं तार

» पेपर लीक पर खूब हुई थी सरकार की फजीहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। प्रदेश में बीते वर्ष 28 नवंबर को यूपी टीईटी पेपर लीक मामले का मास्टर माइंड यूपी एसटीएफ की गिरफ्त में है। इस केस के मास्टरमाइंड अरविंद राणा उर्फ गुरुजी को एसटीएफ ने बागपत से गिरफ्तार किया है। यूपी टीईटी पेपर लीक मामले में सरकार की काफी बदनामी हुई थी और इस मामले में परीक्षा नियामक प्राधिकारी को गिरफ्तार किया गया था। इसके साथ तीन दर्जन लोगों को गिरफ्तार करने के साथ कई बड़ों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी और मामले की जांच एसटीएफ को सौंपी गई थी।

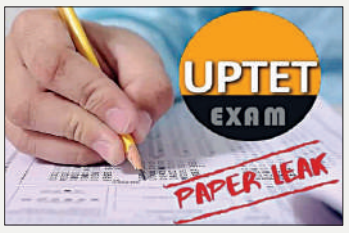

एसटीएफ के एएसपी बृजेश सिंह ने बताया कि मूल रूप से शामली के झिंझाना का निवासी अरविंद राणा प्रदेश का बड़ा नकल माफिया है। उसके तार उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और उत्तराखंड से जुड़े हैं। राणा साल्वर गिरोह चलाता है। गिरोह एसएससी सहित कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सेंधमारी कर पेपर लीक कराता था।

गरीबों को मिल रहा योजनाओं का लाभ सरकार को बदनाम कर रहा विपक्ष : योगी

» जनता स्वस्थ रहेगी, तभी प्रदेश बढ़ेगा आगे, प्रदेश में बनवाए मेडिकल कॉलेज

» मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर में संचारी रोग नियंत्रण पखवारा का किया शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सिद्धार्थ नगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज सिद्धार्थनगर में विशेष संचारी रोग नियंत्रण पखवारा का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अगर स्वस्थ रहेगी, तभी प्रदेश आगे बढ़ेगा। कोई भी ग्रामीण सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा। गरीबों को योजनाओं का लाभ देना सरकार का काम है। सरकार इसमें पीछे नहीं है। सरकार हर गरीब को आवास आदि योजनाओं का लाभ दे रही है। विपक्ष के लोग सरकार को बदनाम करने की साजिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की धरती से रोगों का सफाया होने तक अभियान चलते रहेंगे। पांच वर्ष में हमने इंसेफ्लाइटिस को समाप्त कराया है। जो इस क्षेत्र के लिए अभिशाप था। हमारी सरकार ने प्रदेश को 33 मेडिकल कॉलेज दिए। 17 में पठन-पाठन शुरू हो गए हैं। अगले सत्र से अन्य में भी पठन-पाठन शुरू हो जाएगा। विगत दो वर्ष में सदी की बड़ी बीमारी कोरोना का सामना किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जिस तरह से चुनौती से निपटा गया, उसकी सराहना पूरी दुनिया में हुई। उत्तर प्रदेश बेहतर मॉडल बना है।

गेहूं बेचने में किसानों को नहीं होगी परेशानी

सीएम ने कहा कि गेहूं क्रय केंद्र खोल दिये गए हैं। एक सप्ताह में गेहूं की कटाई शुरू हो जाएगी। किसी किसान को परेशानी नहीं होगी। स्कूल शिक्षा अभियान चलाए जाएंगे, जिसमें सभी जनप्रतिनिधियों को रुचि लेनी होगी।

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक की दो टूक

डॉक्टर समय पर पहुंचें अस्पताल बाहर की दवा लिखी तो नपेंगे

» बच्चों को कोरोना से बचाव के लिए टीका लगाने के कार्य में तेजी लाई जाए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अस्पतालों में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिलाने के लिए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कल स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। योजना भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने दो टूक कहा कि डाक्टर व पैरामेडिकल स्टॉफ समय पर ड्यूटी पर उपस्थित हों। अस्पतालों के निदेशक, प्रमुख अधीक्षक व मुख्य चिकित्सा अधिक्षक यह सुनिश्चित करें कि सभी डाक्टर व कर्मी अपनी कार्यावधि में अस्पताल में उपस्थित रहें। बिना इलाज के मरीज अस्पताल से वापस न जाए।

उप मुख्यमंत्री वीसी के माध्यम से सभी मंडलों के अपर निदेशकों व जिलों के मुख्य चिकित्साधिकारियों (सीएमओ) से जुड़े। उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों (सीएचसी) का समय-समय पर अपर निदेशक व सीएमओ दौरा करें। अनुपस्थित व देर से आने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। पाठक ने कहा हर हाल में अस्पतालों के मुख्य द्वार पर पर्याप्त संख्या में व्हील चेयर और स्ट्रेचर की व्यवस्था की जाए। ताकि किसी भी रोगी को परेशानी का सामना न करना पड़े। मरीजों को हर हाल में अस्पताल से ही दवा उपलब्ध कराई जाए। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता अस्पतालों में होनी चाहिए। जो डाक्टर बाहर से दवा लिखते हुए पकड़े गए उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। सभी अस्पतालों में जहां पर अल्ट्रासाउंड मशीन, एक्स-रे मशीन आदि उपलब्ध है, वह क्रियाशील रहे, इसके पुख्ता इंतजाम करें। डिप्टी सीएम ने कहा अस्पतालों में मरीजों व तीमारदारों के बैठने की व्यवस्था की जाए। ओपीडी व लैब में मरीजों के बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंच का इंतजाम किया जाए। भवनों की साफ-सफाई के साथ-साथ नियमित रूप से सभी बेड के चादर बदले जाएं। चिकित्सालयों में कूड़ेदान की जगह-जगह व्यवस्था की जाए, ताकि मरीज व तीमारदार इधर-उधर कूड़ा न फेंके। 12 वर्ष से 14 वर्ष तक की उम्र के बच्चों को कोरोना से बचाव के लिए टीका लगाने के कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद चार अप्रैल से शुरू होने वाले सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान व नियमित टीकाकरण अभियान की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह व महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य डॉ. वेद ब्रत सिंह मौजूद रहे।

सफाई व्यवस्था की निगरानी के लिए बनाएं कंट्रोल रूम : अरविंद

» यूपी के नगर विकास मंत्री ने अफसरों को दिए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने सफाई व्यवस्था की निगरानी के लिए राज्य स्तर पर एक कमांड एवं कंट्रोल रूम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह कंट्रोल रूम सफाई व्यवस्था पर लगातार निगरानी करेगा और संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को उचित दिशा-निर्देश भी देगा। विशेष रूप से यह कंट्रोल रूम सुबह पांच से आठ बजे के बीच होने वाली सफाई व्यवस्था की निगरानी एवं समन्वय करेगा। उपयोग में आने वाले अन्य जरूरी उपकरणों एवं सुविधाओं की व्यवस्था भी यह कराएगा। नगर विकास मंत्री ने बड़े नगरीय निकायों को अपने आस-पास के छोटे निकायों की मदद करने के लिए कहा है। इसमें आवश्यक उपकरण व जरूरी सामग्री तत्काल बड़े नगरीय निकाय छोटे निकायों को उपलब्ध कराएंगे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान सफाई अभियान के दौरान ही आने वाले मानसून के दृष्टिगत जल निकास की व्यवस्था को अभी से ठीक किया जाए। जल निकास के लिए नाली-नालों में जमा सिल्ट, कूड़ा-कचरा, झाड़ियों की सफाई भी सुनिश्चित की जाए, जिससे जल भराव के कारण होने वाली समस्या से आमजनों को न जूझना पड़े। बता दें कि नगर विकास मंत्री अरविंद कुमार ने इसके पहले अधिकारियों को सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश दे चुके हैं। उन्होंने नगर आयुक्त एवं उच्चाधिकारियों से प्रतिदिन सुबह पांच से आठ बजे के बीच स्वयं निकलकर सफाई करवाने व उसकी रिपोर्ट भेजने के लिए कहा है। मंत्री ने कहा कि शहरों की स्थिति में सुधार लाया जाए और भाजपा के संकल्प पत्र के अनुसार कार्ययोजना पर रणनीति बनाकर कार्य किया जाए।

72 घंटे में होगा गेहूं का भुगतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं की खरीद शुरू हो गई। गेहूं खरीद के लिए प्रदेश में प्रस्तावित 6000 में से 4593 केंद्र खोले जा चुके हैं। इनमें से 3989 केन्द्रों पर पहले दिन गेहूं खरीदा गया। गेहूं खरीद 15 जून तक की जाएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चाधिकारियों को निर्देश दिया है गेहूं बेचने वाले किसानों के बैंक खातों में भुगतान 72 घंटे के भीतर कर दिया जाए। उन्होंने कहा है कि क्रय केन्द्रों पर किसानों को कोई परेशानी न हो।

किसानों को गेहूं के एमएसपी का भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सरकार ने रबी विपणन वर्ष 2022-23 के लिए गेहूं का एमएसपी 2015 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है। इस वर्ष 60 लाख टन गेंहू खरीदने का लक्ष्य तय किया गया है। गेहूं बेचने के लिए अब तक 148383 किसान ऑनलाइन पंजीकरण करा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को मंडियों से फसल की समय पर उठान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

आरपी अध्यक्ष, सुमित वरिष्ठ उपाध्यक्ष, दिलीप बने महासचिव

» लखनऊ इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ इनकम टैक्स बार एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन आयकर भवन में किया गया। पीआरओ मयंक मेहरोत्रा ने बताया कि नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष पद पर आरपी तिवारी व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सुमित तिवारी को चुना गया।

जबकि नृपेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, दिलीप यशोवर्धन महासचिव, मनीष रंजन संयुक्त सचिव, सिद्धार्थ कोहली फाइनेंस सेक्रेटरी, पंकज सबरवाल ज्वाइंट फाइनेंस सेक्रेटरी, घनश्याम मिश्रा स्पोर्ट्स सेक्रेटरी, आरएन शुक्ला लाइब्रेरी सेक्रेटरी व मयंक मेहरोत्रा पीआरओ पद पर चुने गए। वहीं केके दीक्षित, आईपी पांडेय, मनोज चोपड़ा, मनोज लाल, राहुल धवन, विशाल मेहरोत्रा, सरोज इकबाल, नमन तिवारी, सागर त्रिपाठी, कुमार सौरभ, रितु धवन, क्ली फ्रीड्रिक सिंह, सुनील कुमार चौबे आदि कार्यकारिणी सदस्य बने। जबकि डीडी चोपड़ा व एसके भार्गव एक्स ऑफिसिओ के रूप में कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

नृपेंद्र सिंह उपाध्यक्ष, मनीष रंजन संयुक्त सचिव, सिद्धार्थ फाइनेंस सेक्रेटरी

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

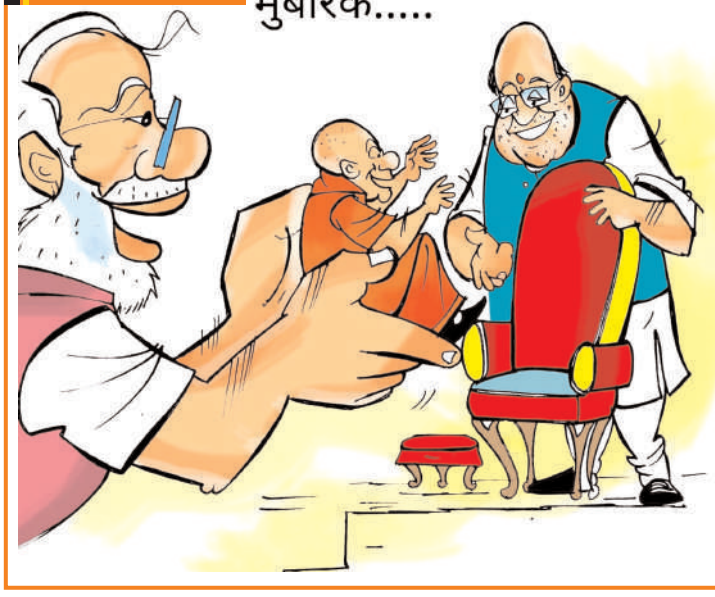

बीट स्तर पर तैनात होंगी महिला कांस्टेबल

» दस अप्रैल से महिला सुरक्षा का विशेष अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार का फोकस महिला सुरक्षा के साथ नारी शक्तिकरण पर रहता है। मुख्यमंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल में प्रदेश की कानून-व्यवस्था को शीर्ष वरीयता पर रखने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सुरक्षा को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक तथा शासन व पुलिस के शीर्ष अधिकारियों के साथ योजना तैयार की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर दस अप्रैल से प्रदेश भर में मिशन शक्ति के तहत कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में शामिल है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर पुलिस व अभियोजन विभाग को पूरी मुस्तैदी से अपने कदम बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की तरफ से सभी तैयारियों को समय पूरा कर लिया जाए। नवरात्र से महिला सुरक्षा के लिए विशेष अभियान के लिए सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि बीट स्तर पर महिला कान्स्टेबल को तैनात किया जाए, जिससे कि महिला तथा बच्चियों की सुरक्षा पर गहन निगरानी होगी। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के कर्मचारी समन्वय स्थापित कर महिला बीट अधिकारी के साथ सभी गांव की महिलाओं के साथ संवाद स्थापित करें व उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से महिलाओं के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराएं। साथ ही अधिकारी सप्ताह में एक दिन नगरीय वार्ड और गांवों में एक वृहद अभियान शुरू कर ग्राम सचिवालय में महिलाओं से जुड़ी समस्याओं का समयबद्ध ढंग से निस्तारण करें। नवरात्रि के पहले दिन से ही पुलिस विभाग की तरफ से महिला सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जाए।

पूर्वांचल में दलित-मुस्लिम गठजोड़ से बदल सकती है बसपा की सियासी तस्वीर

» कई लोकसभा सीटों पर दलित और मुस्लिम निर्णायक भूमिका में

» गुड्डू जमाली को प्रत्याशी बनाकर मायावती ने बनाई सियासी रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा का दलित-मुस्लिम गठजोड़ ने असर दिखाया तो पूर्वांचल की सियासी तस्वीर बदल सकती है। इस क्षेत्र की कई लोक सभा सीटों पर दलित और मुस्लिम निर्णायक भूमिका में हैं। बसपा ने भविष्य में इस गठजोड़ के जरिए धमाकेदार उपस्थिति दर्ज करने का सपना संजोया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के आजमगढ़ संसदीय क्षेत्र से इस्तीफा देने के बाद यहां लोक सभा उपचुनाव होना है।

आजमगढ़ में उम्मीदवार स्थानीय होगा या सैफई परिवार का, इस पर चर्चा चल रही है। इस बीच बसपा ने न सिर्फ मुबारकपुर से विधायक रहे गुड्डू जमाली की पार्टी में वापसी की है बल्कि उन्हें लोक सभा उपचुनाव के लिए प्रत्याशी भी घोषित कर दिया है। इसे बसपा की भविष्य की सियासी रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। उपचुनाव के बाद वर्ष 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में भी बसपा ने इसी रणनीति को अपनाया तो सपा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि सपा का मूल वोट बैंक भी मुस्लिम है। बसपा की इस रणनीति को लेकर सपा खेमे में भी हलचल दिख रही है।

पूर्वांचल पर भी दिखेगा बसपा की रणनीति का असर

बसपा हमेशा से दलित-मुस्लिम गठजोड़ की हिमायती रही है। बीच में उसने दलित-ब्राह्मण कार्ड चला, जिसका नतीजा रहा कि मुस्लिम धीरे-धीरे शिफ्ट होते गए। अब एक बार फिर वह 2007 जैसी तैयारी की दुहाई दे रही है। इसका असर पूरे पूर्वांचल में दिख सकता है। वर्तमान में पार्टी के 10 सांसदों में तीन मुस्लिम है। पूर्वांचल में आजमगढ़ ही नहीं जौनपुर, गाजीपुर, घोसी, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही, बहराइच सहित कई सीटों पर बड़ी संख्या में मुस्लिम मतदाता हैं।

गुड्डू जमाली से रोचक होगा उपचुनाव

गुड्डू जमाली 2014 में आजमगढ़ से बसपा के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरे थे। इससे सपा के मुलायम सिंह यादव और भाजपा के रमाकांत के साथ त्रिकोणीय मुकाबला हुआ। मुलायम को 3.30 लाख, रमाकांत को 2.77 लाख और गुड्डू को 2.66 लाख वोट मिला। इस तरह गुड्डू तीसरे स्थान पर रहे। इससे पूर्व वर्ष 2009 में यहां बसपा के अकबर अहमद डंपी को 1.99 लाख वोट मिला था और भाजपा के रमाकांत 2.47 लाख वोट पाकर विजयी हुए थे। इस तरह देखा जाए तो वर्ष 2014 में गुड्डू बसपा का वोट बैंक बढ़ाने में कामयाब रहे। वर्ष 2019 में सपा-बसपा गठबंधन में अखिलेश यादव को 6.21 लाख और भाजपा के दिनेश लाल यादव को 3.61 लाख वोट मिले थे। बदली परिस्थितियों में रमाकांत यादव अब सपा में हैं और फूलपुर पवई से विधायक हैं। राजनीति की सियासी नब्ज पर नजर रखने वालों का कहना है कि बदली परिस्थितियों में आजमगढ़ उपचुनाव काफी रोचक हो गया है। बसपा ने गुड्डू जमाली की उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया है। भाजपा से यादव बिरादरी का उम्मीदवार उतरा तो सपा के लिए यह सीट चुनौतीपूर्ण हो जाएगी। उपचुनाव का असर वर्ष 2024 के लोक सभा चुनाव पर पड़ना स्वाभाविक है।

आजमगढ़ लोक सभा क्षेत्र का जातीय गणित

आजमगढ़ लोकसभा क्षेत्र में करीब 19 लाख मतदाता हैं। इसमें करीब साढ़े तीन लाख यादव और मुस्लिम व दलित तीन-तीन लाख हैं। शेष अन्य जाति के हैं। दलितों में बसपा का मूल वोट बैंक माने जाने वाले जाटवों की संख्या अधिक है। ऐसे में बसपा की रणनीति है कि मुस्लिम व दलित एकजुट होकर सपा के सियासी रथ को रोक सकते हैं। इसके लिए गुड्डू जमाली फिट बैठते हैं क्योंकि वह बसपा के टिकट पर वर्ष 2012 व 2017 में विधायक रहे हैं। पर, चुनाव से ठीक पहले वह बसपा से नाता तोड़कर सपा में चले गए थे लेकिन सपा ने उन्हें टिकट नहीं दिया। ऐसे में वह असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के टिकट पर चुनाव में उतरे और 37 हजार वोट हासिल करने में कामयाब रहे। बसपा ने जमाली की वापसी कर मुस्लिमों का हमदर्द होने का संदेश दिया है। बसपा ने कहा कि जब भी मुस्लिम सपा की ओर से रुख करते हैं तो भाजपा को जीत मिलती है। इसलिए बसपा उपचुनाव से ही सपा खेमे में किसी न किसी कारण क्षुब्ध रह रहे नेताओं को अपने पाले में करने में जुटी है।

अब रालोद की सियासी जमीन को मजबूत करने में जुटे जयंत, बनायी नयी रणनीति

» चुनावी नतीजों का अध्ययन कर समिति जयंत चौधरी को सौंपेगी रिपोर्ट

» सड़क से विधान सभा तक जनता के मुद्दों को उठाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा में सपा के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़े राष्ट्रीय लोक दल ने अब अपनी सियासी जमीन मजबूत करने पर फोकस कर दिया है। चुनावी नतीजों का अध्ययन करने के लिए रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने समिति गठित की है। यह समिति 15 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। वहीं रालोद ने सड़क से सदन तक जनहित के मुद्दों को उठाने की रणनीति तैयार की है।

उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के बाद अब राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) संगठन पर फोकस करने जा रहा है। इसके लिए पार्टी ने तीन सदस्यीय समिति गठित कर दी है। इसमें रालोद के राष्ट्रीय महासचिव बाबा हरदेव, केपी चौधरी व चौधरी प्रवीण सिंह शामिल हैं। यह समिति पार्टी के मूल ढांचे में परिवर्तन करने का रोडमैप तैयार करेगी। विधान सभा चुनाव के नतीजों का अध्ययन समिति करेगी। समिति जिलों में जाकर यह देखेगी कि संगठन को किस तरह मजबूत किया जाए। पार्टी का मानना है कि चुनाव संगठन लड़ता है। ऐसे में यदि संगठन मजबूत रहेगा तो पार्टी चुनाव में और अच्छा प्रदर्शन करेगी। समिति संगठन में कहां-कहां बदलाव करना है और इसके मूल ढांचे में किस तरह परिवर्तन करना है, इसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगी। वहीं, रालोद सदन से लेकर सड़क तक जनता के मुद्दे मजबूती से उठाएगी। रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने पार्टी नेताओं व कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि देश में बढ़ रही महंगाई, रोजाना बढ़ रहे पेट्रोल-डीजल के दाम व गरीब व मध्यम वर्ग पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ को मुद्दा बनाया जाए। रालोद किसानों के मुद्दे मजबूती से सदन से लेकर सड़क तक उठाएगी। रालोद अध्यक्ष ने पार्टी के विधायकों व पूर्व विधायकों को संगठन के साथ मिलकर काम करने के निर्देश भी दिए।

आठ सीटों पर दर्ज की है जीत

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन कर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) को संजीवनी मिल गई है। गठबंधन में रालोद को 33 सीटें मिली थीं इनमें से आठ पर सफलता मिली है। उसे इस बार करीब तीन प्रतिशत वोट मिला है। वर्ष 2017 में 1.78 प्रतिशत मत से संतोष करना पड़ा था।

पिछले चुनाव में मिली थी एक मात्र सीट

वर्ष 2017 का चुनाव सपा और कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ने वाली रालोद को केवल एक सीट मिली थी। जीता हुआ विधायक बाद में भाजपा में चला गया था, जिससे पार्टी शून्य पर चली गई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महंगाई के बोझ तले कराहता आम आदमी

पांच राज्यों में संपन्न हुए चुनावों के बाद महंगाई पूरी रफ्तार पर पहुंच चुकी है। पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दामों में इजाफे के साथ अब जरूरी दवाओं की कीमतों में भी वृद्धि हो गई है। पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी बढ़ गयी हैं। लिहाजा आम आदमी महंगाई के बोझ तले कराहने लगा है। सवाल यह है कि महंगाई को लेकर सरकार गंभीर क्यों नहीं है? कोरोना काल में अपनी रोजी-रोटी गंवा चुके लोग मूल्य वृद्धि का बोझ कैसे उठा सकेंगे? क्या अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बाजार के हवाले करना उचित है? क्या तेल कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय मूल्यों में हो रही वृद्धि के आधार पर मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? क्या बाजार में पूंजी प्रवाह को बनाए बिना महंगाई को नियंत्रित और अर्थव्यवस्था को रफ्तार दी जा सकती? क्या नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना सरकार का दायित्व नहीं है? क्या जनता की क्रय शक्ति को बढ़ाने के लिए सरकार कोई ठोस पहल करेगी?

बारह दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल के दामों में सात रुपये प्रति लीटर का इजाफा हो चुका है। इसका सीधा असर खाद्य पदार्थों समेत अन्य वस्तुओं के दामों पर पड़ा है। ढुलाई बढ़ने के कारण सब्जी, फल से लेकर दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में इजाफा हो गया है। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) की ओर से दवाओं के दाम बढ़ाने की मंजूरी मिलने के बाद करीब आठ सौ दवाओं के दाम बढ़ गए हैं। दवा की कीमतों में दस फीसदी से अधिक की वृद्धि हुई है। रसोई गैस के दाम में पचास रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई है। वहीं कमर्शियल गैस के दाम भी बढ़ा दिए गए हैं। इसके कारण महंगाई आसमान छूने लगी है। यूक्रेन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि होने के कारण तेल कंपनियां लगातार मूल्य वृद्धि कर रही हैं। बावजूद इसके सरकार इस मामले में कोई दखल नहीं दे रही है। लोगों की क्रय शक्ति घटती जा रही है। रही सही कसर रोजगार के साधनों में आयी कमी ने निकाल दी है। ऐसे में आम आदमी का जीवनयापन कठिन हो गया है। क्रय शक्ति में कमी के कारण बाजार में पूंजी प्रवाह घट रहा है। ऐसे में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह आम आदमी को राहत देने के लिए तत्काल मूल्यों पर नियंत्रण लगाए। राज्य सरकारें भी तेल की कीमतों को कम करने के लिए अपने टैक्स में कटौती करें। इसके साथ रोजगार के साधनों में तत्काल वृद्धि किए जाने की जरूरत है अन्यथा आने वाले दिनों में हालात बेकाबू हो जाएंगे। यह अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं होंगे।

लोगों की क्रय शक्ति घटती जा रही है। रही सही कसर रोजगार के साधनों में आयी कमी ने निकाल दी है। ऐसे में आम आदमी का जीवनयापन कठिन हो गया है। क्रय शक्ति में कमी के कारण बाजार में पूंजी प्रवाह घट रहा है। ऐसे में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सरकार को चाहिए कि वह आम आदमी को राहत देने के लिए तत्काल मूल्यों पर नियंत्रण लगाए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जनबल पर हावी धनबल का यक्ष प्रश्न

विश्वनाथ सचदेव

बात बहुत पुरानी है। देश के दूसरे आम चुनाव के दौरान राजस्थान के सिरोही जिले में एक ऐसा उम्मीदवार चुनाव जीत गया था जिसके पास शपथ-ग्रहण के लिए राज्य की राजधानी पहुंचने के पैसे भी नहीं थे। फुटपाथ पर जूतों की मरम्मत करने वाला यह विधायक चुनाव जीता कैसे यह एक अलग कहानी है, पर यह हकीकत है कि मतदाताओं ने चंदा इकट्ठा करके उसकी शपथ-ग्रहण को संभव बनाया था। बरसों पुरानी यह बात आज फिर याद आ गयी। समाचार हाल में हुए यूपी के नव-निर्वाचित विधायकों की सम्पत्ति के बारे में था। इसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश की नयी विधान सभा में 91 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं और इनकी औसत सम्पत्ति आठ करोड़ से अधिक है। सबसे अधिक वाला विधायक भाजपा का है, 148 करोड़ रुपये का मालिक है यह विधायक। दूसरे नंबर पर सपा का विधायक है। इनकी कुल सम्पत्ति साठ करोड़ बतायी गयी है।

करोड़पति राजनेताओं की यह कहानी सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं है। गरीब-राज्य माने जाने वाले उत्तराखंड के चुनाव-परिणाम भी ऐसी ही कहानी सुना रहे हैं। यहां 71 प्रतिशत नव-निर्वाचित विधायक करोड़ों की सम्पत्ति के मालिक हैं। शेष जिन तीन राज्यों में हाल ही में चुनाव हुए हैं, यहां भी स्थिति लगभग ऐसी ही है। हमारी राजनीति का यह सच कुल मिलाकर सारे देश की सच्चाई है। और जब भी कहीं चुनाव होते हैं, परिणामों की घोषणा के बाद स्वयंसेवी संगठन स्वयं उम्मीदवारों के हलफनामों के आधार पर उनकी सम्पत्ति का ब्योरा प्रकाशित करते हैं। पर गरीब देश के इन अमीर राजनेताओं को लेकर कोई गंभीर बहस नहीं होती। जिस देश की अस्सी करोड़ जनता आज अपनी सुबह-शाम की रोटी के लिए सरकारी सहायता पर निर्भर हो, वहां करोड़पति राजनेताओं को लेकर कोई चिंता न हो, यह अपने आप में किसी आश्चर्य से कम नहीं है। वादे और दावे भले ही देश के गरीबों के नाम पर किये जाते हों, पर शायद यह मान लिया गया है कि राजनीति पैसे वालों का खेल है। राजनीति की शतरंज के इस खेल में गरीब तो मोहरा भर हैं जिनका उपयोग 'रानी' या 'राजा' की सुरक्षा के लिए किलेबंदी करना भर होता है।

चुनाव-प्रचार के दौरान जो बातें सुनी जाती हैं, उनमें एक यह भी है कि 'पहले की सरकारों ने' पिछले सत्तर सालों में गरीबों की स्थिति सुधारने के लिए कुछ किया ही नहीं, उन्हें अपनी राजनीति का मोहरा भर बनाये रखा।

कहा यह भी जा रहा है कि 'पिछली सरकारों' ने जानबूझ कर इन्हें गरीब रखा ताकि वे सरकार के हाथों की कठपुतली बने रहें। कठपुतली बनाये रखने के इस आरोप में सच्चाई हो सकती है। जैसे अब अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज देने के नाम पर वोट मांगे गये हैं, मांगे जाते हैं, वैसे पहले भी गरीबों की सहायता के वादे होते रहते थे। क्या यह नहीं कहा जा सकता कि जैसे पहले की सरकारें गरीबों के खिलाफ षड्यंत्र रचती रही थीं, वैसे ही अब की सरकारें भी गरीबों को बहला रही हैं? ऐसे राजनेता भी हैं जो गरीबी से उठ कर ऊपर आये हैं। वे इस बात का दावा भी करते हैं कि उन्होंने गरीबी भोगी है, इसलिए वे गरीबों की पीड़ा समझ सकते हैं। हमारे निर्वाचित प्रतिनिधियों में भी कुछ ऐसे हो सकते हैं, पर सवाल तो यह है कि सिरोही वाले उस मोची की तरह चुनाव जीतने वाले बहुमत में क्यों नहीं हैं? क्यों यह मान लिया गया है कि बिना पैसे के चुनाव जीता ही नहीं जा सकता? मजे की बात यह है कि पैसे के बल पर चुनाव जीतने वाले और पैसे की स्पर्धा में लगे रहते हैं।

सरकारी नौकर तीस-चालीस साल नौकरी करने के बाद पेंशन का अधिकारी बनता है, विधायक और सांसद पांच साल की कथित सेवा के बाद ही पेंशन पा जाते हैं। यह सवाल भी देश में उठना चाहिए कि निर्वाचित प्रतिनिधियों को जो जनता की सेवा के नाम पर विधायक या सांसद बनते हैं, किस बात की पेंशन दी जानी चाहिए? करोड़पतियों को आखिर क्या आवश्यकता है इस पेंशन की? एक 'कल्याणकारी राज्य' में ज़रूरतमंद जनता को सरकारी मदद दिया जाना कतई गलत नहीं है लेकिन यह 'मदद' सरकारी खैरात नहीं मानी जानी चाहिए। सबका साथ, सबका विकास की बात सिर्फ नारों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। लगना चाहिए कि सबका विकास हो रहा है। इस हकीकत से आंख नहीं चुरायी जा सकती कि पिछले दो-तीन साल में 84 प्रतिशत भारतीय परिवारों की आय कम हुई है। और एक सच्चाई यह भी है कि इसी दौरान देश में अरबपतियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। यह कहीं न कहीं हमारी नीतियों और हमारी मंशा, दोनों पर सवालिया निशान लगाती है।

बिम्सटेक सम्मेलन और सदस्य देशों की चुनौतियां

डॉ. रमेश ठाकुर

कोलंबो में 18वां बिम्सटेक शिखर सम्मेलन चल रहा है। श्रीलंका में इस सम्मेलन के आयोजन का खास मकसद भी है। पड़ोसी मुल्क इस वक्त भारी आर्थिक संकट से गुजर रहा है। ऐसे में उन्हें आर्थिक संकट से उबारने के लिए हिंदुस्तान ने बड़ी आर्थिक मदद की है। मदद, शिखर बैठक से पहले इसलिए की है ताकि दूसरे सदस्य देश भी प्रेरित होकर सहायता कर सकें। श्रीलंका को इस समय सहयोगी देशों से मदद की दरकार है। भारत ने श्रीलंका को एक बिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण दिया है और पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए अलग से पचास करोड़ अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त सहायता का आर्थिक राहत पैकेज भी भेजा है। इस पर श्रीलंका सरकार और उनके विपक्षी नेताओं के साथ आर्थिक विश्लेषकों ने जमकर भारत सरकार की सराहना की है।

श्रीलंका बिम्सटेक का मौजूदा अध्यक्ष सदस्य देश है। बिम्सटेक के गठन का मकसद बंगाल की खाड़ी देशों पर केंद्रित एक क्षेत्रीय सहयोग वाला मंच बनाना है, जहां बैठकर सभी सदस्य अपनी समस्याएं एक-दूसरे से साझा करते हैं। विकट समस्याओं का समाधान खोजते हैं। ये सम्मेलन करीब चार साल बाद आयोजित हुआ है। हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर पहुंचे हुए हैं, बीते मंगलवार को हुई बैठक में उन्होंने अपनी बात मंच पर साझा की जिसमें रूस-यूक्रेन युद्ध, अफगानिस्तान के मौजूदा हालात और खाड़ी देशों में पनपते नए किस्म के आतंकवाद पर सभी सदस्य देशों का ध्यानाकर्षण करवाया। शिखर सम्मेलन का विषय 'बिम्सटेक-एक क्षमतावान क्षेत्र, समृद्ध अर्थव्यवस्था और स्वस्थ लोग पर रखा गया है जिनमें इन्हीं मुद्दों पर मंथन होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वर्जुअल तरीके से इससे जुड़े। बहरहाल, विदेश मंत्री जयशंकर ने श्रीलंका पहुंचकर जो मानवता का परिचय दिया है उसे चीन भी देख रहा है और बाकी मुल्क भी। बिम्सटेक सम्मेलन ऐसे वक्त हुआ, जब संकट से निपटने में श्रीलंकाई सरकार पूरी तरह से अक्षम है। जनता आक्रोशित है। महंगाई आसमान छू रही है और चारों तरफ अफरा-तफरी का आलम है। लोग ईंधन और गैस की कतारों में लगे, उनसे छुटकारा चाहते हैं, साथ ही लंबे वक्त से बिजली कटौती की मार झेल रहे हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर वहां विरोध कर रहे प्रमुख विपक्षी नेताओं से भी मिले हैं उनको बिगड़े हालातों से रूबरू कराया है। उनके समझाने पर वो लोग माने हैं। साथ ही उन्होंने ये भी भरोसा दिया कि जो संभव मदद होगी, वह भारत करेगा। संकट में श्रीलंका एक बात अच्छे से समझ गया। चीन की चालाकी से वाकिफ हो गया है। आर्थिक संकट के बीच चीन ने साथ नहीं दिया जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक वह हर तरह की मदद की बात कहता आया था। श्रीलंकाई वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे हमारे विदेश मंत्री को ऐसे वक्त में एक सहयोगी के रूप में देख रहे हैं जब उनकी सरकार के खिलाफ आवाम हमलावर है। पहले भी कई मौके आए जब भारत ने ही श्रीलंका का सहयोग किया। ये बात श्रीलंका का एक-एक बच्चा जानता है। हालात सुधर जाए इसी उद्देश्य से श्रीलंका ने बिम्सटेक का आयोजन अपने यहां करवाया है। कोरोना के चलते ये बैठक नहीं हुई थी। खाड़ी मुल्कों के लिए बिम्सटेक सम्मेलन बहुत जरूरी होता है। बैठकें नहीं होने से भारी नुकसान हुआ है।

चार वर्ष पूर्व काठमांडू में आयोजित हुए सम्मेलन में कुछ मुद्दे उठे थे लेकिन बात आगे नहीं बढ़ सकी। कोरोना के चलते तय मसले नहीं सुलझे। पर, शायद अब कुछ हो। तब, सदस्य देशों ने कृषि में स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रमों के लिए छात्रवृत्ति और बीज क्षेत्रों के विकास सहित क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण जैसे अन्य पहलुओं पर भारत की ओर से आवाज उठाई गई थी जिस पर सभी एकमत हुए थे। साथ ही खाड़ी देशों के मध्य पशुधन-पोल्ट्री के क्षेत्रों में सहयोग व जलीय जंतु रोगों और जलीय कृषि में जैव सुरक्षा व सटीक खेती को बढ़ावा देने के लिए डिजिटलाइजेशन जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई थी। कुल मिलाकर अगले कुछ वर्षों के लिए ये सभी मसले हल करने की चुनौती होगी लेकिन सबसे पहले अध्यक्ष देश श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने के लिए सभी सदस्य देशों को मिलकर सहयोग करना होगा।

बिम्सटेक में भारत की अहम भूमिका होती है, सभी सदस्य देश उनकी तरफ ही ताकतें हैं क्योंकि समृद्धि के हिसाब से वही सबसे बड़ी ताकत है इसलिए बैठक में भारत जिन मसलों को उठाता है, सभी मुल्क बिना सोचे समझे हामी भरते हैं। उनको पता है भारत जो भी मुद्दे मंच पर रखेगा उससे सबका भला होगा। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, म्यांमार व थाईलैंड ने कभी भी किसी मसले का आज तक विरोध नहीं किया। हां, एक बार चीन के इशारे पर नेपाल ने जरूर थोड़ा विरोध किया था, लेकिन उनका विरोध ज्यादा देर टिका नहीं। नेपाल समय रहते चीन की चालाकी से वाकिफ हो गया था। इस बार अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए करीब 14 से 15 प्रमुख आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। सबसे बड़ी चिंता अब नए किस्म के आतंकवाद को लेकर है जो ना सिर्फ खाड़ी देशों को परेशान किये हुए है बल्कि समूचे एशिया के लिए चुनौती बना हुआ है। अफगानिस्तान और यूक्रेन की घटनाओं ने बिम्सटेक देशों को सोचने पर मजबूर किया है। समय ऐसा है कि अब सबको तगड़ी एकता दिखानी होगी। इसके लिए सभी देशों को आपसी व्यापार, संपर्क और सांस्कृतिक, तकनीकी और आर्थिक विकास को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाना होगा।

बालों को मजबूत, घना और लंबा बनाते हैं

तुलसी के बीज

भारतीय आयुर्वेद में तुलसी का खासा महत्व है। औषधीय गुणों से भरपूर तुलसी का इस्तेमाल इम्यूनिटी बढ़ाने से लेकर कई गंभीर बीमारियों से छुटकारा दिलाने में काफी कारगर होता है। वहीं तुलसी के बीज जिनको सब्जा बीज भी कहा जाता है वो भी कम लाभकारी नहीं होते हैं। तुलसी के बीज बालों के लिए बेहद फायदेमंद होते हैं। तुलसी के बीजों का इस्तेमाल करके आप बालों की सभी परेशानियों से निजात पा सकते हैं। दरअसल तुलसी के बीज में प्रोटीन, आयरन, पोटैशियम, फोलिक एसिड, फाइबर, ओमेगा 3, फैटी एसिड, फाइटोकेमिकल्स, पॉलीफेनोलिक और ल्यूटिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। ऐसे में बालों को हेल्दी बनाने के लिए तुलसी के बीज काफी मददगार साबित होते हैं। आइए जानते हैं बालों पर तुलसी के बीजों को इस्तेमाल करने के तरीकों और इनके कुछ फायदों के बारे में।

खत्म होंगे दो मुंहे बाल

तुलसी के बीजों में भरपूर मात्रा में मौजूद आयरन और फैटी एसिड दो-मुंहे बालों की परेशानी से छुटकारा दिलाने में मदद करता है। इसके लिए आप तुलसी के बीजों से बने पाउडर में आंवला और रीठा पाउडर मिलाकर बालों पर लगा सकते हैं। दो घंटे बाद बालों को साफ पानी से धो लें। इससे दो-मुंहे बाल धीरे-धीरे कम होने लगेंगे।

बालों का टूटना होगा कम

तुलसी के बीजों में मौजूद प्रोटीन और फाइटोकेमिकल्स बालों को मजबूत बनाकर इनका झड़ना कम करने में सहायक होते हैं। इसके लिए एक मुट्ठी तुलसी के बीजों को रात में भिगो दें और सुबह नहाते समय इसी पानी से हेयर वॉश करें।

डैंड्रफ से पाएं निजात

तुलसी के बीजों में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले तुलसी के बीजों को सुखाकर पाउडर बना लें। अब नारियल के तेल या जैतून के तेल में तुलसी के बीजों का पाउडर मिलाकर स्कैल्प की मालिश करें।

तनाव से मिलेगी राहत

तुलसी के बीजों में एंटी-स्ट्रेस और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जो सिरदर्द और तनाव दूर करने में असरदार होते हैं। इसके लिए तुलसी के बीजों को रात भर पानी में भिगो कर रख दें। सुबह इस पानी में नींबू का रस और जैस्मीन तेल की कुछ बूंदें मिलाकर बालों पर मॉलिश करें। इससे आप स्ट्रेस फ्री फील करने लगेंगे।

मुलायम और चमकदार बनेंगे बाल

तुलसी के बीज में मौजूद विटामिन ए और विटामिन सी बालों को सॉफ्ट और शाइनी बनाने का काम करते हैं। इसके लिए आप तुलसी के बीजों से बने हेयर मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। हेयर मास्क बनाने के लिए सरसों के तेल या नारियल के तेल में तुलसी के बीजों का पाउडर और गुड़हल के फूलों को पीस कर मिला लें और पेस्ट तैयार कर लें। अब इसे अच्छी तरह से मिलाकर बालों पर अप्लाई करें और सूखने के बाद बालों को माइल्ड शैंपू से धो लें।

कहानी — छोटी चीज का काम बड़ा

एक हाथी गहरी नींद में सो रहा था। वह जोर-जोर से खर्राटे ले रहा था। खर्राटों की आवाज सुनकर पास के बिल से एक चूहा बाहर आया। उसने देखा कि सामने पहाड़ जैसा हाथी सो रहा था। खर्राटे के कारण उसका बड़ा-सा पेट ऊपर-नीचे हो रहा था। चूहे को यह देखकर बड़ा मजा आया। वह धीरे से उसकी सूंढ से चढ़कर पेट तक पहुंच गया। हाथी के पेट पर बैठकर वह झूलने लगा। ऊपर-नीचे, ऊपर नीचे, बड़ा मजा आ रहा था। तभी हाथी की नींद खुली। एक छोटे-से चूहे को अपने पेट पर आराम से बैठ देखकर उसे बहुत गुस्सा आया। उसने अपने पेट को जोर से हिलाया, चूहा नीचे गिर गया। हाथी बोला -बेवकूफ चूहे, तेरी हिम्मत कैसे हुई मेरे पेट पर चढ़ने की ? चूहा घबरा गया। माफी मांगने लगा। हाथी से बोला, दादा मुझे माफ कर दो। ऐसी गलती कभी नहीं होगी। हाथी को उस पर दया आ गई। उसने चूहे को जाने दिया। जाते समय चूहे ने कहा कि दादा, कभी मेरी जरूरत हो तो बताना। आप बहुत अच्छे हैं तभी आपने मुझे छोड़ दिया। मैं भी आपकी मदद के लिए हमेशा तैयार रहूंगा। अच्छा, नमस्ते। चूहे की बात सुनकर हाथी जोर-से हंसने लगा। चूहा चुपचाप वहां से चला गया। कुछ दिनों बाद एक शिकारी जंगल में आया। चूहे ने उसे देख लिया था। उसके पास बहुत सारा सामान था। लगता है कई दिन रुकने वाला है जंगल में। चूहे ने सोचा। अगले दिन सुबह जोर की आवाज सुनकर चूहे की नींद खुली। यह को किसी हाथी की आवाज लगती है। उसने सोचा। जब कई बार बचाओ-बचाओ की आवाजें आई तो चूहा वाहन पहुंचा। सामने देखा तो वही हाथी दादा खड़े थे। एक बड़ा-सा जाल उनके ऊपर पड़ा था, जिससे वे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। चूहे ने दादा को नमस्ते की। फिर वह अपने तेज दांतों से जाल काटने लगा। वह बहुत तेजी से काम कर रहा था। थोड़ी ही देर में जाल में एक बड़ा सा छेद हो गया। हाथी उससे बाहर आ गया। अब उसे समझ आया कि छोटी चीज भी कभी-कभी बड़ा काम कर जाती है।

8 अंतर खोजें

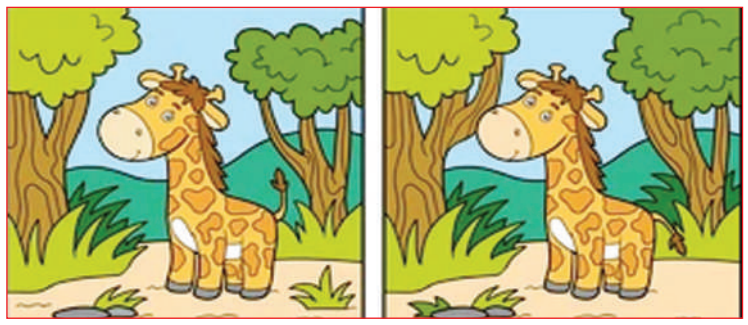

हंसना मना है

अगर आपको रात में आसानी से नींद नहीं आती तो आज से ही हंसने की आदल डाल लें। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन नाम का हार्मोन बनता है, जो हमें सुकून की नींद की देने में मदद करता है।

रवि और उसकी पत्नी की मैरिज एनिवर्सरी थी, इसलिए सचिन ने उन्हें फोन किया। उनकी नौकरानी ने फोन उठाया।।। सचिन- हैलो, सुरेश है? नौकरानी- नहीं, वो लोग बाहर गए हैं, उनकी मैरिज अननेसेसरी है न।

टीटू अपना क्लासमेट से- आई लव यू, अब तुम मुझे बोलो। लड़की - मैं अभी जाकर सर को बोलती हूं। टीटू - पगली सर को मत बोल, उनकी तो शादी हो गई है।

मोनू - इतनी देर से तुम क्या सोच रहे हो? शौंटी - जानते हो कल रात की आंधी में एक टी शर्ट मेरे घर आकर गिर गई। मोनू- तो इसमें क्या हुआ? शौंटी- सोच रहा हूं कि मैचिंग पैंट ले लूं या फिर एक और आंधी का इंतजार करूं।

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पार्टनर के लिए आपकी इज्जत और बढ़ सकती है। खर्चा बढ़ सकता है। सेहत का ख्याल रखें। पति-पत्नी में प्रेम बढ़ेगा। अविवाहित लोगों को विवाह प्रपोजल मिल सकते हैं।

वृषभ — आपकी बात का गलत मतलब निकाला जा सकता है। इसलिए बोलने से पहले थोड़ा सोचें। आज सिंगल लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं तो उनके लिए समय अनुकूल है।

मिथुन — आज आप रोमांटिक मूड में रहेंगे। ऑफिस में व्यस्त होने के कारण पार्टनर लिए भी समय नहीं मिल पाएगा। पति-पत्नी के रिश्तों में भी कुछ बदलाव हो सकते हैं।

कर्क — आज सिंह राशि वालों को प्यार में सफलता मिल सकती है। आपकी कोई बात पार्टनर को परेशान कर सकती है। संतान सुख मिल सकता है। अपनी बात सोच-समझकर ही शेयर करें।

सिंह — संतान वर्ग से अच्छी खबर मिल सकती है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

कन्या — प्रेमी के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। किसी की बात से प्रभावित हो सकते हैं।

तुला — पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा। प्रेमी की सेहत की चिंता रहेगी। मानसिक तनाव हो सकता है। आज के दिन लव लाइफ से जुड़ा को फैसला कर सकते हैं।

वृश्चिक — पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। प्रेमी से उपहार मिल सकता है। आज आपकी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे आप बहुत प्रभावित हो सकते हैं।

धनु — लाइफ पार्टनर या प्रेमी को लेकर आप पोजेसिव हो सकते हैं। लव लाइफ में नयापन लाने के लिए कुछ नए प्रयास कर सकते हैं। एक्स्ट्रा अफेयर शुरू होने की संभावना है।

मकर — पार्टनर को आपकी मदद से फायदा हो सकता है। प्रेमी की सेहत की चिंता रहेगी। पार्टनर की खुशी के लिए आपको कई मामलों में अपनी इच्छाएं दबानी पड़ सकती है।

कुम्भ — जीवनसाथी की नजरो में आपकी इज्जत बढ़ेगी। पार्टनर को आपकी मदद से फायदा हो सकता है। प्रेमी की सेहत की चिंता रहेगी। आपको अपनी इच्छाएं दबानी पड़ सकती है।

मीन — प्रेमी से सोच-समझकर मजाक करें। रिलेशनशिप में मनमुटाव हो सकता है लेकिन बाद में सब ठीक होगा। रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है।

बॉलीवुड | तड़का

नुसरत भरूचा की शादी को लेकर घर में मचा है कलेश

नुसरत भरुचा ने अपनी लाइफ का एक ऐसा किस्सा अपने फैन्स के साथ शेयर किया है जो हर एक अनमैरिड फैन्स रिलेट करते होंगे। नुसरत ने भी घर पर शादी को लेकर होने वाली कलेश से बचने के लिए एक नई तरकीब निकाली हैं। चलिए जानते हैं वह इस सिचुएशन को कैसे करती है हैंडल।। नुसरत भरुचा ने अपनी लाइफ का एक ऐसा किस्सा अपने फैन्स के साथ शेयर किया है जो सभी अनमैरिड फैन्स रिलेट करते होंगे। उन्होंने बताया कि उनकी शादी को लेकर उनके घर वाले उनके पीछे पड़े हुए हैं। इतना ही नहीं वह डेली के कलेश से बचने के लिए लड़कों से मिलने भी जाया करती हैं। नुसरत में अपने फैन्स को एक सिंपल ट्रिक भी बताई हैं कि कैसे आप इस सिचुएशन से बच सकते हैं। नुसरत की मां काफी पहले से ही उन्हें जल्द से सेटल करने की तैयारी कर रही है। हालांकि उनकी बेटी नुसरत अभी शादी को लेकर बिलकुल भी तैयार नहीं हैं। नुसरत कि इस कहानी को सुनकर उनके साथ मौजूद सनी कौशल भी हैरान हो जाते हैं। नुसरत उन्हीं लड़कियों में आती है जो 30 के बाद भी शादी नहीं करना चाहती हैं। हाल ही में दिए इंटरव्यू में नुसरत ने बताया है कि- उनका पूरा परिवार उनके शादी के लिए उनके पीछे पड़ा हुआ हैं। नुसरत ने आगे यह भी कहा कि उनके लिए हमेशा लड़कों की बारिश होती रहती हैं। हालांकि उन्होंने इस सिचुएशन को हैंडल करने का एक तरीक़ा ढूंढ लिया हैं। नुसरत कहती है कि मैं अपनी मां को नहीं कह सकती कि आप लड़का ढूंढ लो मैं शादी कर लूंगी। क्योंकि मेरी मां तुरंत ही लड़का ढूंढ लेगी।

तेजा के साथ तेलुगु सिनेमा में डेब्यू करेंगी नूपुर सेनन

कृति सेनन की तरह ही उनकी छोटी बहन नूपुर सेनन के हाथ साउथ की एक बड़ी फिल्म लगी हैं। नूपुर जल्द ही साउथ की फिल्म में काम करती नजर आएंगी। नूपुर साउथ सुपरस्टार रवि तेजा की पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेस्वर राव में नजर आने वाली हैं। उन्होंने हाल ही में रवि की पहली पैन इंडिया फिल्म साइन की है। फिल्म टाइगर नागेस्वर राव में एंट्री की जानकारी खुद नूपुर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट के जरिए दी है। नूपुर सेनन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर सुपरस्टार रवि तेजा की पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेस्वर राव को लेकर एक तस्वीर शेयर किया है। इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी सारी जानकारी दी गई है। फिल्म को अभिषेक अग्रवाल ही प्रोड्यूस करेंगे, जिन्होंने द कश्मीर फाइल्स के प्रोड्यूस की थी। वहीं इस फिल्म के डायरेक्टर वामसी होंगी। टाइगर नागेस्वर राव फिल्म को 2 अप्रैल 2022 को लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल फिल्म का एक पोस्टर ही रिलीज किया गया है जिसमें बताया गया है कि फिल्म में नूपुर सेनन की एंट्री हुई है।

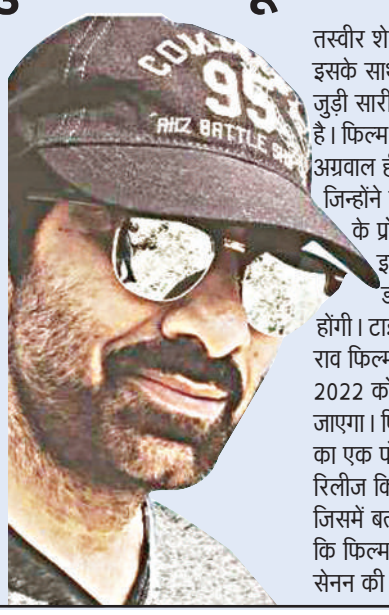

बॉलीवुड | मन की बात

जॉन अब्राहम को अपनी फिल्मों में नहीं पसंद आइटम सॉन्ग!

जॉन अब्राहम ने इंडस्ट्री में खुद को स्थापित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। फिल्मों में वह भले ही जबरदस्त एक्शन अवतार में नजर आते हों, लेकिन रियल लाइफ में वह बेहद प्राइवेट इंसान हैं और बेहद सिंपल लाइफ जीना पसंद करते हैं। जॉन अब्राहम की फिल्मों में अक्सर एक ना एक आइटम सॉन्ग जरूर होता है। लेकिन, अब पहली बार उन्होंने आईटम नंबर्स पर अपनी राय व्यक्त की है। एक्टर का कहना है कि उन्हें आइटम सॉन्स से काफी तकलीफ होती है, क्योंकि वह हमेशा इस बात को लेकर चिंता में होते हैं कि ये सॉन्ग फिल्म का नैरेटिव ना ब्रेक कर दें। जॉन अब्राहम की अधिकतर फिल्मों में आइटम सॉन्ग होते हैं और इनमें से ज्यादातर में नोरा फतेही नजर आई हैं। पिछले कुछ सालों में कैटरीना कैफ, करीना कपूर जैसी अभिनेत्रियों ने भी अपने आइटम नंबर्स से दर्शकों को खुश किया है। लेकिन, कई बार आइटम नंबर्स को क्रिटिसाइज भी किया गया है। जिसे लेकर अब जॉन अब्राहम ने प्रतिक्रिया दी है। जॉन अब्राहम एक इंटरव्यू में कहते हैं- 'मुझे लगता है कि मेरी अधिकतम फिल्मों का म्यूजिक बेहतरीन रहा है,चाहे आप 'जिस्म' का म्यूजिक देख लीजिए। ये मेरा ऑल टाइम फेवरेट है। मुझे लगता है कि गलती से मुझे कई अच्छे सॉन्ग करने को मिल गए। लेकिन, कई बार मैंने खराब गाने भी किए। इन सब में मुझे सबसे ज्यादा खराब चीजें जो मुझे लगती हैं, जब मुझसे कहा जाता है कि फिल्म में आइटम सॉन्ग होगा और ये फिल्म के लिए जरूरी है। ये चीज मुझे मार देती है। मुझे तोड़ देती है।' बाटला हाउस, मुंबई सागा, रॉकी हैंडसम, जैसी जॉन अब्राहम की कई फिल्में हैं, जिनमें आइटम सॉन्स देखने को मिले हैं।

जिंदगीभर नहीं सोती चीटियां 24 घंटे रहती हैं एक्टिव

ये बड़ी हैरानी की बात है चीटियों की नींद उस तरह नहीं होती, बल्कि दुनिया के किसी जीव-जंतुओं की तरह नहीं होती। वो उस तरह सोती ही नहीं जैसे हम आराम से सो लेते हैं। इसके बाद भी वो हमेशा सक्रिय रहती हैं। दरअसल, चीटियां बहुत छोटी छोटी झपकियां लेती हैं। इन झपकियों के बारे में जानना भी दिलचस्प है। चीटियां दिनभर में करीब 250 झपकियां लेती हैं लेकिन उनकी एक झपकी किसी भी हालत में एक मिनट से ज्यादा नहीं होती। यही उनके लिए काफी होती है। हालांकि अगर दिनभर में 250 झपकियों के हिसाब से देखें तो कहा जा सकता है कि बेशक वो दो मिनट भी नहीं सोतीं लेकिन झपकी के तौर पर 4 घंटे 48 मिनट की नींद तो ले ही लेती हैं। अब एक बड़ा सवाल ये भी है कि वो सांस कैसे लेती हैं, क्या उनका भी श्वास तंत्र होता है। कोई फेफड़ा होता है, जिससे वो सांस लें और ऑक्सीजन पूरे शरीर में फैल पाए। ये भी बहुत रोचक है। चीटियां ऑक्सीजन तो लेती हैं लेकिन एकदम अलग तरीके से। दरअसल चीटियों के सांस लेने का पूरा सिस्टम बहुत जटिल है। उनके पूरे शरीर में कई छेद होते हैं, जो ट्यूब्स से जुड़े होते हैं। चीटियां इन्हें के जरिए ऑक्सीजन लेती हैं और ये ट्यूब्स के जरिए उनके पूरे शरीर में फैलती रहती है। चीटियां आखिर सुनती कैसे हैं। चीटियों के कान नहीं होते। वो सुनने-समझने का काम अपने पैरों के नीचे सतह पर होने वाले कंपन से करती हैं। उसी से वो खतरे को भांपती हैं। अगर उन्हें कोई खतरा महूसस होता है तो एक खास तरह का केमिकल सिगनल छोड़ने लगती हैं। इसी तरह जब उन्हें कहीं खाना मिलता है तो तुरंत अपनी साथियों को बताने लगती हैं, इसके लिए वो एक खास तरह का केमिकल फेरोमोन छोड़ती हैं। इसीलिए चीटिंयां एक ही कतार में एक के पीछे चलती हैं, न इधर और न उधर। वैसे जिस तरह कहीं भी खाना मिलते ही चीटियां उसकी सूचना अपने दूसरे साथियों को देती हैं, उससे कह सकते हैं कि ये पृथ्वी पर मौजूद प्राणियों में सबसे कम स्वार्थी प्राणी होती हैं। कुछ चीटियों के पंख होते हैं और कुछ के नहीं। दरअसल दुनियाभर में चीटियो की जितनी भी प्रजातियां हैं, सभी में पंख उगाने की क्षमता होती है। अब ये उन चीटियों पर निर्भर करता है कि वो ये चाहती हैं या नहीं। आमतौर पर घर में रहने वाली चीटियां पंख एडाप्ट करने से परहेज ही करती हैं। श्रमिक चीटियां भी बगैर पंखों के ही रहती हैं।

अजब-गजब | व्हेल ने मछुआरे को निगला

मौत को मात देकर ऐसे जिंदा बाहर आया

समुद्र में कई खतरनाक मछलियां रहती हैं, जो पलक झपकते ही किसी भी इंसान को शिकार बना सकती हैं। शार्क के हमलों के कई मामले सामने आ चुके हैं। वहीं समुद्र में विशालकाय व्हेल मछली भी होती है। व्हेल मछली इतनी विशाल होती है कि छोटी-मोटी नाव को वह चुटकियों में तहस-नहस कर सकती है। ऐसे में सोचिए अगर वह किसी इंसान को निगल जाए तो मौत निश्चित है। लेकिन एक शख्स व्हेल के मुंह में जाकर जिंदा वापस लौट आया। विश्वास करना थोड़ा मुश्किल है लेकिन यह सच है। अमरीका में एक मछुआरे को समुद्र में एक व्हेल ने निगल लिया था।

समुद्र में हुआ शख्स पर हमला

57 साल के लॉबस्टर डाइवर माइकल पैकर्ड कई सालों से समुद्र में गोता लगाकर अजीबोगरीब समुद्री जीवों को पकड़ते हैं और उन्हें मार्केट में बेचते हैं। एक बार माकल ने विशाल केकेड़ा पकड़ा था, इसके बाद से वह लॉबस्टर ड्राइवर के नाम से मशहूर हो गए। एक बार जब माइकल समुद्र में उतरे तो उनके साथ कुछ ऐसा हुआ जो उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा। दरअसल, समुद्र में अचानक उनके ऊपर एक हमला हुआ और उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा गया। थोड़ी उन्हें अहसास हुआ कि वो किसी मछली के मुंह में हैं। माइकल ने एक इंटरव्यू में मौत के साथ हुए उनके एनकाउंटर के अनुभव के बारे में बताया था। माइकल ने बताया कि पहले उसे लगा कि किसी शार्क ने उन्हें खा लिया है। माइकल को मौत नजर आ रही थी। उन्हें लगा कि वह अब बच नहीं पाएंगे। माइकल ने बताया था कि जब उन्हें मछली ने निगला तो उसकी बॉडी में कहीं दांत नहीं लगे ना ही उन्हें कोई दर्द हुआ। बस वो सीधे मछली के मुंह के अंदर थे। इसके बाद करीब 30 सेकंड बाद मछली ने उलटी कर दी और वह बाहर आ गए। बाहर निकलकर माइकल ने देखा कि उन्हें शार्क ने नहीं, बल्कि व्हेल ने निगल लिया था।

30 सेकेंड रहे मछली के मुंह में

माइकल करीब 30 सेकेंड तक व्हेल मछली के मुंह में रहे। इस दौरान उन्हें अपनी पत्नी और बच्चों का ख्याल आया। व्हेल उन्हें निगल नहीं पाई और अपना मुंह इधर से उधर हिलाने लगा। फिर थोड़ी देर में उसने माइकल को उगल दिया। माइकल को यकीन नहीं हुआ कि वो जिंदा है। माइकल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां माइनर इंजरी का इलाज किया गया।

भाजपा राज में जनता को रौंद रहा महंगाई का बुलडोजर : अखिलेश

» रोज बढ़ रहे पेट्रोल-डीजल के दाम, टोल टैक्स भी महंगा

» किसान कल्याण के दावे निकले झूठे, अपनी तिजोरी भर रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख एवं नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने बढ़ती महंगाई को लेकर एक बार फिर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा राज में बुलडोजर अब जनता को ही रौंदने में लग गया है। हर दिन पेट्रोल-डीजल व रसोई गैस के बढ़ते दामों के कारण महंगाई को पंख लग गए हैं। महंगाई कम करने के दावों का हश्र यह है कि हर रोज इसमें बढ़ोतरी हो रही है। आम जनता का जीना दुश्वार हो गया है। किसान आत्महत्या कर रहे हैं और सरकार किसानों के कल्याण के झूठे दावे कर रही है।

उन्होंने कहा कि सपा महंगाई व कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सरकार को सड़क से लेकर सदन तक घेरती रहेगी। भाजपा राज में ऐसे अच्छे दिन आ रहे हैं कि लोग पुराने दिनों की वापसी की बात करने लगे हैं। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने के साथ ही टोल-टैक्स भी महंगा हो गया है। राजमार्गों पर सफर 10 से 15 प्रतिशत तक महंगा हो गया है। सीएनजी-पीएनजी गैस के दाम आठ साल में सबसे ज्यादा दोगुने से अधिक बढ़ा दिए गए हैं। रसोई गैस के दामों में हो रही बेतहाशा वृद्धि से घरेलू अर्थव्यवस्था बिगड़ रही है। अब कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर एक झटके में 250 रुपये महंगा हो गया है। उन्होंने कहा कि एटा में कर्ज के बोझ तले दबकर एक और किसान ने खुदकुशी कर ली। यह घटना भाजपा सरकार के झूठ की पोल खोल रही है। भाजपा ने अपनी नीति और नीयत से जाहिर कर दिया है कि उसे जन-सरोकारों से नहीं, सिर्फ अपनी तिजोरी भरने से मतलब है। डबल इंजन सरकार शायद इसी तरह प्रदेश में एक ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने का सपना देख रही है।

फंदे से झूली विवाहिता दहेज हत्या का मुकदमा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» आरोपियों की गिरफ्तारी को टीम गठित

सिद्धार्थनगर। नगर के अशोक नगर वार्ड में एक विवाहिता का शव कमरे में फंदे से झूलता मिला। इससे क्षेत्र में सनसनी फैल गयी। वहीं मृतका के भाई की तहरीर पर पुलिस ने पति, जेठ व जेठानी पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

शारुख खां की शादी डेढ़ वर्ष पूर्व मोहाना थाना क्षेत्र के सिकरी निवासी फाजिल की पुत्री मुन्नी से हुई थी। गुरुवार को विवाहिता के भाई आदिल परिवार सहित नगर के नरकटहा स्थित नेहरूनगर वार्ड निवासी अपने रिश्तेदार दीवान अली के घर आए थे। भाई ने फोन कर शुक्रवार को अपनी बहन को मिलने के लिए बुलाया था। इस बात को लेकर मुन्नी का ससुराल वालों से विवाद हुआ। इसके बाद वह अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद जब उसका पति शारुख खां कमरे में गया तो देखा मुन्नी छत के कुंडे से लटक रही थी। उसका छह माह का एक बेटा भी है। मौके पर कोतवाली पुलिस व फोरेंसिक टीम जांच में जुटी थी। इस मामले में कोतवाली प्रभारी संजय मिश्रा ने कहा कि भाई की तहरीर पर मृतक के पति, जेठ व जेठानी पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम परीक्षण के लिए भेजा गया। सभी आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर रवाना किया गया।

डंपर से कुचलकर बाइक सवार दो युवकों की मौत

» दर्शन के लिए शीतला धाम जा रहे थे बाइक सवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कौशांबी जनपद में सैनी कोतवाली क्षेत्र में बालू लदे डंपर की टक्कर से आज सुबह बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गयी। दोनों मां शीतला धाम कड़ा जा रहे थे। हादसे की सूचना पर युवकों के परिवार के लोग पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में ले लिया है। वाहन लेकर डंपर चालक फरार हो गया है।

कौशांबी जिले में महेवा घाट थाना क्षेत्र अढौली निवासी लालचंद्र 19 पुत्र छेदी लाल अपने साथी चंद्रशेखर 38 पुत्र रामभवन के साथ नवरात्रि के पहले दिन आज कड़ा धाम जा रहे थे। सुबह पांच बजे बाइक से कड़ा धाम गंगा स्नान के बाद मां शीतला के दर्शन-पूजन को घर से निकले। सैनी कोतवाली क्षेत्र में सिराथू पुलिस चौकी के नजदीक पीछे से बालू लदा ओवरलोड डंपर आ रहा था। डंपर ने अचानक अनियंत्रित होकर बाइक में टक्कर मार दी। इससे लालचंद्र और चंद्रशेखर बाइक से छिटक कर डंपर के पहिए के नीचे आ गए। डंपर से कुचलकर दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसे के बाद जब तक आसपास के लोग वहां पहुंचते, चालक डंपर लेकर वहां से फरार हो गया। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से जख्मी लालचंद्र और चंद्रशेखर को एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा। जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

वृद्धा की गला रेतकर हत्या, लूटपाट

परिचित बनकर घर में घुसे थे बदमाश, नौकरानी को भी किया घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद के आर्यनगर में बदमाशों ने एक कारोबारी के घर में घुसकर 75 वर्षीय मां के सिर पर पहले प्रहार फिर गला रेतकर हत्या कर दी और कैश लूट ले गए। घर में पहुंची नौकरानी को भी बदमाशों ने घायल कर दिया। बदमाश परिचित बनकर घर में घुसे थे। पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है।

आर्य नगर गली नंबर नौ में रहने वाले लोकेश अग्रवाल गुवाहाटी में कोयले का कारोबार करते हैं। घर में उनकी 75 वर्षीय मां कमला देवी, बेटा अर्पित और पत्नी शोभा रहती हैं। शुक्रवार को अर्पित अपने और चाचा के परिवार के साथ डीडी सिनेमा हाल में शो में देखने गए थे। घर में उनकी 75 वर्षीय मां कमला देवी और नौकरानी रेनू शर्मा थी। नौकरानी के मुताबिक दरवाजे पर लगी घंटी बजने पर जब दरवाजा खोला तो दो लोग खड़े थे। वे कारोबारी को पूछते हुए अंदर चले गए और दूसरी मंजिल पर कमरे में माताजी के पास बैठकर बातें करने लगे। माताजी ने उससे दोनों के लिए चाय बनाने को कहा। जब वह दोनों के लिए चाय लेकर पहुंची तो माताजी लहूलुहान हालत में बेड पर पड़ी थी। ड्रेसिंग टेबिल का कांच टूटा पड़ा था। उसने शोर मचाने की कोशिश की तो दोनों बदमाशों ने उसे भी कांच के टुकड़े से घायल कर दिया और भाग गए। पुलिस जब पहुंची तो कमला देवी की मौत हो चुकी थी। एसएसपी आशीष तिवारी ने बताया कि अर्पित का कहना है कि लूटे गए कैश की जानकारी बाद में दी जा सकेगी। जल्द हत्यारोपी पकड़े जाएंगे।

कानपुर में बैंक के लाकर से 20 लाख के गहने गायब

कानपुर। फीलखाना के कराची खाना स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में एक और लाकर से 20 लाख के जेवर चोरी होने का मामला सामने आया है। लाकर धारक ने शाखा प्रबंधक को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। 17 दिन के अंदर लाकर से जेवर चोरी होने की दूसरी घटना सामने आने से बैंक प्रबंधन सवालों के घेरे में है। बिरहाना रोड निवासी शिवशंकर गुप्ता की पत्नी सीता गुप्ता का बैंक खाता व लाकर कराचीखाना शाखा में है। उनके मुताबिक, बैंक में उनके लाकर संख्या 414 में 20 लाख रुपये के करीब 350 ग्राम सोना व चांदी के जेवरात रखे थे। जब उन्होंने लाकर खोला तो उसमें रखे सीताराम की पंतुर, दो जोड़ी कान का झुमका, एक जोड़ा तोड़ा, एक जोड़ा बाला, दो जोड़ चांदी की थाली, तीन जोड़ी टाप्स, पांच छोटी नथ, एक हार, एक मोहर लाकेट, एक सीम लाकेट, एक प्लेट चूड़ा और एक हाथ आदि जेवर गायब थे। बैंक शाखा में शिकायत के बाद अनसुनी कर दी गई। चार दिन पहले डीसीपी पूर्वी प्रमोद कुमार से मिलकर घटना बताई। उन्होंने फीलखाना पुलिस को निर्देश देकर मुकदमा दर्ज कराया। गौरतलब है कि 14 मार्च को इसी बैंक शाखा के लाकर से चकेरी श्यामनगर निवासी मंजू भट्टाचार्य के 30 लाख रुपये के जेवर चोरी हो गए थे।

पति ने मोबाइल देने से किया इंकार तो पत्नी ने उड़ेल दिया तेजाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संभल। थाना असमोली क्षेत्र में एक युवक को मांगने के बाद पत्नी को मोबाइल न देना महंगा पड़ गया। गुस्से में पत्नी ने अपने पति पर तेजाब डाल दिया। इससे वह झुलस गया। स्वजनों ने उसे असमोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया लेकिन यहां से चिकित्सक ने रेफर कर दिया। उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

» गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

थाना क्षेत्र के गांव बेला निवासी आरिफ का आए दिन पत्नी से विवाद होता रहता है। शुक्रवार को आरिफ कही से दोपहर घर आया था। तभी पत्नी ने उससे मोबाइल मांग लिया। आरिफ ने मोबाइल देने से इंकार किया तो दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद शुरू हो गया। विवाद के बीच महिला ने घर में रखा तेजाब अपने पति पर डाल दिया। इससे वह बुरी तरह झुलस गया। स्वजन असमोली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए लेकिन वहां से डॉक्टर ने रेफर कर दिया। अब स्वजन ने उन्हें संभल के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। उधर थानाध्यक्ष कर्मपाल सिंह ने बताया कि मामले की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

अफसरों के निलंबन से नहीं सुधरेगी नौकरशाही!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने दूसरे कार्यकाल के शुरू होते ही पूरे एक्शन में हैं। अपने पूरे कार्यकाल में भ्रष्टाचार पर सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए योगी आदित्यनाथ ने सोनभद्र के डीएम टीके शिबू और गाजियाबाद के एसएसपी पवन कुमार को निलंबित कर दिया। सवाल यह है कि क्या सीएम योगी यूपी की बेलगाम नौकरशाही को एक आईएएस और एक आईपीएस को निलंबित कर सुधार देंगे? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाकांत लखेड़ा, सुशील दुबे, प्रो. रविकांत, उमाशंकर दुबे, राजेंद्र द्विवेदी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सुशील दुबे ने कहा, आईएएस-आईपीएस का मतलब है कि मुझसे बड़ा भौकाली कोई नहीं है। नेता के पास पांच हजार आदमी आते हैं मगर अफसर खुद को भौकाली मानते हैं। सीएम योगी ने एक तरीके से कार्रवाई कर मैसेज दे दिया है कि गलती की तो कार्रवाई तय है। उमाशंकर दुबे ने कहा, ये जो कार्रवाई हुई है, उसके लिए सरकार को बधाई। दो अफसरों पर कार्रवाई हुई। मैं दो विभाग की बात करूंगा एलडीए और नगर निगम की। इन विभागों में उन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती जो भ्रष्टाचार में लिप्त है।

राजेंद्र द्विवेदी ने कहा, सोनभद्र में जो कार्रवाई हुई है, इसकी मॉनिटरिंग पीएमओ खुद करता है। यह कार्रवाई का बड़ा कारण है। नेताओं को पता नहीं होता और नौकरशाही हावी हो जाती है, ये बीते 30 सालों से चल रहा है। सस्पेंशन कोई इलाज नहीं, पारदर्शिता लाना पहले जरूरी है।

प्रो. रविकांत ने कहा इन दो कार्रवाईयों से सरकार ने संदेश दिया कि ये करप्ट हैं और कार्रवाई किसी पर भी हो सकती है। बलिया के पत्रकार मामले में कहा, उसकी क्या गलती थी, पत्रकार का सोर्स सूत्र होता है और इस पर उल्टा कार्रवाई कर दी। नकल माफियाओं के बजाय पत्रकारों को जेल में डाल दो, ये तो गलत है।

उमाकांत लखेड़ा ने कहा, नौकरशाही अपने आप कुछ नहीं करती, उसकी हालत वहीं है जो चंद्रमा की है। चंद्रमा रोशनी प्राप्त करता है, तब वह चमकता है। इसी तरह ब्यूरोक्रेटस सत्ता से शक्ति प्राप्त करता है। सत्ता अधिकार देती है जनसेवा का। वे पब्लिक के नौकर है। जनता के टैक्स से उनको वेतन मिलता है। मगर उत्तर प्रदेश में नौकरशाही मालिक है।

नवरात्रि : माता रानी के दरबार में भक्तों का तांता

फोटो : सुमित कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना की पाबंदियां पूरी तरह से खत्म हुईं और राजधानी में पूरे दो साल बाद भक्तों ने बेरोकटोक माता रानी के दर्शन किए। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घट स्थापना के साथ ही माता के जयकारे गूंजने लगे। नवमी 10 अप्रैल को होगी। नवरात्र व्रत का पारण 11 अप्रैल को किया जाएगा। नवरात्रि के साथ ही नल नामक नवसंवत्सर विक्रम संवत 2079 भी शुरू हो गया। बीकेटी के चंद्रिका देवी मंदिर में रात से ही भक्तों की कतार लगना शुरू हो गई थी। चौक स्थित बड़ी काली जी मंदिर, छोटी काली जी मंदिर में भी माता के भक्तों की भीड़ रही। मेहंदीगंज स्थित शीतला देवी मंदिर और बीकेटी के 51 शक्ति पीठ तीर्थ में भी माता के दर्शन पूजन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़े।

पंजाब के बाद गुजरात पर अरविंद केजरीवाल की नजरें

साबरमती आश्रम पहुंचे केजरीवाल और मान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पंजाब में प्रचंड जीत के बाद अब आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की नजरें गुजरात पर हैं। केजरीवाल ने आज से गुजरात में चुनावी बिगुल फूंका। केजरीवाल के दो दिनों के दौरे पर उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी हैं। आज दोनों मुख्यमंत्री सुबह साबरमती आश्रम पहुंचे, यहां पर सीएम केजरीवाल और सीएम भगवंत मान ने साबरमती आश्रम में चरखे पर सूत काटने का अभ्यास किया।

पंजाब सीएम भगवंत मान ने कहा कि उन्हें यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मान ने कहा कि पंजाब में हर घर में चरखा होता है। उन्होंने कहा कि पंजाब में लोग गांधी जी का बहुत सम्मान करते हैं। वहीं सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वे यहां राजनीति पर चर्चा नहीं करेंगे। केजरीवाल ने साबरमती में दर्शन के बाद वहां विजिटर्स पुस्तिका पर लिखा यह आश्रम एक आध्यात्मिक स्थान है। एसा प्रतीत होता है जैसे यहां गांधीजी की आत्मा बसती है। यहां आकर आध्यात्मिक अनुभूति होती है। मैं स्वयं को को धन्य मानता हूं कि उस देश में पैदा हुआ जिस देश में गांधी जी पैदा हुए। दो दिवसीय गुजरात दौरे के पहले दिन अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान अहमदाबाद में मेगा रोड शो थोड़ी ही देर में निकालेंगे। आम आदमी पार्टी के कैंपेनिंग कमेटी के अध्यक्ष गुलाब सिंह यादव ने कहा कि गुजरात में बीजेपी का शासन है। ऐसे में यहां भी बीजेपी कार्यकर्ता केजरीवाल का विरोध या हमला कर सकते है। इसकी जानकारी अहमदाबाद पुलिस को भी दी गई है।

शिवपाल ने पीएम मोदी और सीएम योगी को किया ट्विटर पर फॉलो

एक बार फिर से राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने राजनीति में बड़े संकेत दिए हैं। शिवपाल सिंह यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को ट्विटर पर फॉलो कर लिया है। इसके अलावा उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी फॉलो किया है। शिवपाल सिंह यादव ने पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा को भी फॉलो किया है। इससे पहले शिवपाल सिंह पीएमओ और सीएमओ को ही फॉलो करते थे।

शिवपाल सिंह यादव अब इन नेताओं को पर्सनली फॉलो कर रहे हैं। शिवपाल सिंह यादव के इस कदम से एक बार फिर से राजनीति में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इससे पहले चर्चा थी कि शिवपाल यादव ने दिल्ली में अमित शाह से मुकाकात की थी, उसके बाद शिवपाल यादव मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले थे। सूत्र बताते हैं कि इटावा से दिल्ली जाने के दौरान शिवपाल ने पूर्व विधायक हरिओम यादव से भी मुलाकात की थी। इससे पहले, विधानसभा में विधायक पद की शपथ लेने के बाद पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। उन्होंने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया था। यह भी कहा कि वक्त आने पर बोलेंगे। शिवपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री से शिष्टाचार भेंट हुई है। भविष्य के फैसले पर कहा कि वक्त आने पर इसका खुलासा करेंगे। सियासी गलियारे में इस मुलाकात को भविष्य में होने वाले विधान परिषद और राज्यसभा चुनाव से भी जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल इस हलचल के बीच भाजपा और सपा के नेता कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। शिवपाल के समर्थक भी खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं।

फोटो : 4पीएम

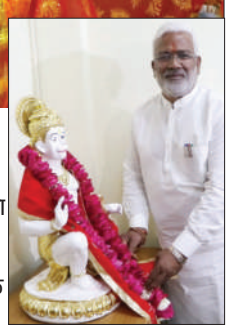

कार्यभार योगी सरकार में परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने आज अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस मौके पर उनके साथ भाजपा नेता कर्नल दयाशंकर दुबे मौजूद थे। वहीं विधान भवन स्थित कार्यालय में पूजा करते जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह।

किसानों के वादे को लेकर मोदी सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध : तोमर

एमएसपी पर समिति के गठन की प्रक्रिया जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्यसभा में बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) से नामित सदस्यों के नाम मिलने के बाद सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर विशेषज्ञों की समिति का गठन कर देगी।

संसद के उच्च सदन में एक सवाल पर तोमर ने कहा कि तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एमएसपी पर समिति बनाने के वादे को लेकर सरकार प्रतिबद्ध है। तोमर ने सदन को बताया कि सरकार किसानों के संगठन एसकेएम के संपर्क में है और जैसे ही उसकी तरफ से नाम बताए जाते हैं एमएसपी पर समिति का गठन कर दिया जाएगा। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत केंद्र और राज्यों के बीच प्रीमियम साझा करने के तरीके में बदलाव का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं है। पूर्वोत्तर राज्यों के लिए केंद्र 90 प्रतिशत प्रीमियम का भुगतान करता है। भाजपा सांसद वरुण गांधी ने एमएसपी को कृषि उपज के लिए कानूनी अधिकार बनाने के लिए संसद में एक निजी सदस्य विधेयक पेश किया। किसानों को कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी का अधिकार विधेयक, 2022 का उद्देश्य प्रत्येक किसान को अपनी कृषि उपज और इससे जुड़े मामलों के लिए न्यूनतम मूल्य प्राप्त करने का अधिकार सुनिश्चित करना है।

फोटो : 4पीएम

अभियान नवरात्रि के पावन अवसर पर मिशन शक्ति और एंटी रोमियो स्काउट अभियान आज से उत्तर प्रदेश में फिर शुरू हो गया है। लखनऊ में नेशनल पीजी कॉलेज से डीसीपी सेंट्रल अपर्णा कौशिक के नेतृत्व में अभियान की शुरुआत की गई।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।